



Ancient Vedic Mantras and Rituals





Maas Shivratri 2025 | मास शिवरात्रि पर शिवलिंग अभिषेक और विशेष मंत्र जाप के फायदे | PDF

मास शिवरात्रि हिंदू धर्म में विशेष रूप से भगवान शिव को समर्पित एक महत्वपूर्ण पर्व है। हर महीने कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मासिक शिवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। यह दिन भगवान शिव की आराधना और उपासना के लिए उत्तम माना जाता है।

मास शिवरात्रि क्यों मनाई जाती है?

मास शिवरात्रि का मुख्य उद्देश्य भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करना, नकारात्मक ऊर्जा से मुक्ति पाना और आध्यात्मिक शक्ति अर्जित करना है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन उपवास रखने और रात्रि जागरण करने से शिव कृपा प्राप्त होती है।

शिवरात्रि की पूजा विधि

मास शिवरात्रि की पूजा विधि बहुत ही सरल और प्रभावशाली होती है। भक्त इस दिन भगवान शिव का पूजन करके उनसे मनोवांछित फल प्राप्त कर सकते हैं।



1. व्रत और संकल्प

प्रातः स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें और शिवरात्रि व्रत का संकल्प लें।

मानसिक रूप से शुद्ध रहकर भगवान शिव का ध्यान करें।

2. शिवलिंग का अभिषेक

- शिवलिंग पर विभिन्न पूजन सामग्रियों से अभिषेक किया जाता है:
- **गंगा जल** – पवित्रता और शुद्धता के लिए।
- **दूध** – शीतलता और शांति के लिए।
- **दही** – सुख और समृद्धि के लिए।
- **शहद** – मधुरता और प्रेम के लिए।
- **घी** – बल और ऊर्जा के लिए।
- **पंचामृत** – संपूर्ण कल्याण के लिए।

3. पूजन सामग्री और अर्पण

- **बेलपत्र** – भगवान शिव को अत्यंत प्रिय होते हैं।
- **धतूरा और आक के फूल** – नकारात्मक शक्तियों से रक्षा के लिए।
- **भस्म** – वैराग्य और आध्यात्मिक उन्नति के लिए।
- **फलों और मिठाइयों का भोग** – प्रसाद स्वरूप अर्पित किया जाता है।
- **दीपक और धूप जलाना** – सकारात्मक ऊर्जा और वातावरण की शुद्धि के लिए।

4. रात्रि जागरण और भजन-कीर्तन

मास शिवरात्रि के दिन रात्रि जागरण करना अत्यंत शुभ माना जाता है। इस दौरान भगवान शिव के भजन-कीर्तन गाए जाते हैं, जिससे मन को शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त होती है।



5. मंत्र जाप और ध्यान

भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए मास शिवरात्रि पर विशेष मंत्रों का जाप किया जाता है। यह मंत्र जाप साधक को आत्मिक बल और मानसिक शांति प्रदान करता है।

मास शिवरात्रि पर किए जाने वाले मंत्र जाप

शिवरात्रि के दिन निम्नलिखित मंत्रों का जाप विशेष लाभकारी माना जाता है:

महामृत्युंजय मंत्र – इस मंत्र का जाप करने से आरोग्य, दीर्घायु और नकारात्मक शक्तियों से रक्षा होती है।

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।

उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात्॥

पंचाक्षरी मंत्र – यह भगवान शिव का मूल मंत्र है और मोक्ष प्राप्ति के लिए अत्यंत प्रभावी है।

ॐ नमः शिवाय॥

रुद्र गायत्री मंत्र – यह भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने के लिए उत्तम मंत्र है।

ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि।

तन्नो रुद्रः प्रचोदयात्॥

- **शिव तांडव स्तोत्र** – रावण द्वारा रचित यह स्तोत्र भगवान शिव की महिमा का गुणगान करता है।
- **लिंगाष्टकम्** – इस स्तोत्र का पाठ करने से भक्त को शिवलिंग पूजन का विशेष लाभ प्राप्त होता है।



मास शिवरात्रि का आध्यात्मिक और धार्मिक महत्व

- **कर्मों का शुद्धिकरण** – इस दिन शिव उपासना करने से पापों का नाश होता है।
- **मनोकामना पूर्ति** – भगवान शिव भक्तों की हर मनोकामना पूर्ण करते हैं।
- **आध्यात्मिक जागरण** – यह दिन ध्यान और साधना के लिए अत्यंत उपयुक्त होता है।
- **विवाह और संतान सुख** – शिव-गौरी पूजन करने से विवाह और संतान सुख की प्राप्ति होती है।
- **नकारात्मक ऊर्जा से मुक्ति** – शिव पूजा से जीवन में शांति और सकारात्मकता आती है।

मास शिवरात्रि के लाभ

इस दिन व्रत रखने से मन, वाणी और शरीर की शुद्धि होती है।

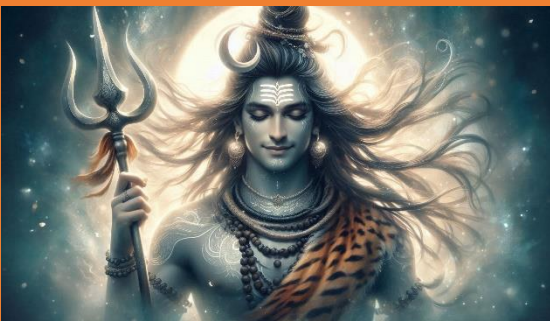
भगवान शिव की आराधना से नकारात्मक ऊर्जा और दुर्भाग्य का नाश होता है।

यह दिन आध्यात्मिक उन्नति और आत्मशुद्धि के लिए सर्वोत्तम है।

भक्तों को मानसिक शांति, स्वास्थ्य और समृद्धि की प्राप्ति होती है।

मास शिवरात्रि का पर्व भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने का एक सुनहरा अवसर है। इस दिन शिव उपासना, व्रत, अभिषेक और मंत्र जाप करके व्यक्ति अपने जीवन को सफल और धन्य बना सकता है। शिवरात्रि का यह पावन पर्व हमें भगवान शिव के प्रति अटूट भक्ति और विश्वास को जागृत करने की प्रेरणा देता है।

Related Articles



[Shiv Ji Tandav Stotra](#)



[Shiv Ji Aarti](#)



THANKS FOR READING



READ MORE RELIGIOUS
CONTENT ON



vedicprayers.com



Follow us on:

